प्रेस विज्ञप्ति

गो.ब. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

अंबेडकर जयंती पर समानता एवं न्याय का संदेश

पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई तथा डा. अंबेडकर चेयर के संयुक्त तत्वावधान में 14 अप्रैल 2026 को डा. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर उनके जीवन एवं योगदान को सम्मानित करने हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत डा. भीमराव अंबेडकर को पुष्प अर्पित कर की गई, जिसके बाद उनके जीवन, उपलब्धियों तथा भारतीय संविधान के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। इसके पश्चात भाषण सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने सामाजिक न्याय, समानता तथा शिक्षा के महत्व जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने डा. अंबेडकर के समावेशी एवं न्यायपूर्ण समाज के दृष्टिकोण पर विशेष बल दिया। 'संविधान की भूमिका' तथा 'समाज में समानता' जैसे विषयों पर डिजिटल पोस्टरों के माध्यम से विद्यार्थियों ने अधिकारों, न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों से संबंधित प्रभावशाली संदेश प्रस्तुत किए। इसके अतिरिक्त, एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें जातिगत भेदभाव और सामाजिक अन्याय जैसे मुद्दों को प्रभावी ढंग से उजागर किया गया। इस प्रस्तुति ने समाज में सुधार और समानता की आवश्यकता को स्पष्ट रूप से दर्शाया। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठात्री डा. अल्का गोयल ने विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए वर्तमान समय में डा. अंबेडकर के विचारों के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षा और जागरूकता सामाजिक परिवर्तन के सशक्त साधन हैं तथा विद्यार्थियों को अपने दैनिक जीवन में समानता, न्याय और मानव गरिमा के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों को सामाजिक रूप से जिम्मेदार एवं संवेदनशील नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डा. संध्या रानी ने कहा कि ऐसी गतिविधियाँ न केवल सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाती हैं, बल्कि युवाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना का विकास भी करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों को समाज के प्रति सकारात्मक योगदान देने का एक सशक्त मंच प्रदान करता है। कार्यक्रम का समापन एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा न्याय, समानता एवं संविधान के मूल्यों को बनाए रखने की शपथ के साथ किया गया। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों पर गहरा प्रभाव छोड़ गया और उन्हें डा. भीमराव अंबेडकर के बताए मार्ग पर चलकर एक न्यायपूर्ण एवं समतामूलक समाज के निर्माण हेतु प्रेरित किया।